

देवस्थानम् प्रबंधन बोर्ड भंग

चर्चा में क्यों?

30 नवंबर, 2021 को उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखण्ड चारधाम देवस्थानम् अधिनियम को नरिस्त कर देवस्थानम् बोर्ड को भंग करने की घोषणा की है।

प्रमुख बिंदु

- देवस्थानम् प्रबंधन बोर्ड को भंग करने का नरिणय इससे संबंधति गठति उचच स्तरीय समति वि मंत्रमिडलीय उपसमति दिवारा 29 नवंबर, 2021 को सौपी गई रपिर्ट के आधार पर लयिा गया है। आगामी वधिानसभा सत्र में इस अधिनियम को वापस लयिा जाएगा।
- उल्लेखनीय है कि 27 नवंबर, 2019 को तत्कालीन सरकार के कैबिनेट ने उत्तराखण्ड चारधाम देवस्थानम् प्रबंधन वधियक को मंजूरी दी थी और 5 दसिंबर, 2019 को इस वधियक को वधिानसभा में पास कयिा था तथा 13 जनवरी, 2020 को राज्यपाल द्वारा अनुमति दी गई और 15 जनवरी, 2020 को सरकार ने इसकी अधिसूचना जारी की।
- देवस्थानम् प्रबंधन बोर्ड के अंतरगत चारधाम- बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री, यमनोत्री तथा इनसे संबद्ध मंदरिों सहति कुल 51 मंदरि लिए गए। इस बोर्ड का कार्य इन मंदरिों की देख-रेख, आय-व्यय सृजन और वभिनिन कार्यों का प्रबंधन करने के साथ अन्य सुवधिाएँ प्रदान करना था।
- इस बोर्ड के अध्यक्ष मुख्यमंत्री तथा उपाध्यक्ष धर्मस्थ व संस्कृति मंत्री बनाए गए थे। वही गढ़वाल में मंडलायुक्त रवनाथ रमन को बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बनाया गया था।